Thursday, 14 December, 1978

लोक-सभा वाद-विवाद
का
हिन्दी संस्करण

Conservation Unit
Parliament Library
14-10-92

(छठा सत्र)

6th Lok Sabha

PARLIAMENT LIBRARY
Acc. No. 5.a(21.) 2
Date 7.5.79

सत्यमेव जयते

(खंड 20 में अंक 11 से 20 तक हैं)

लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली

मूल्य : चार रुपए

विषय-सूची

अंक 18, गुरुवार, 14 दिसम्बर, 1978/23 अग्रहायण, 1900 (शक)

	पृष्ठ
निधन सम्बन्धी उल्लेख .	1
(श्री सूर्य नारायण सिंह का निधन)	
श्री मोरारजी देसाई	1
श्री सी० एम० स्टीफन .	1
श्री यशवन्तराव चव्हाण	2
श्री समर मुखर्जी .	2
श्री रागावेलू मोहनरंगम	2
श्री एम० एन० गोविन्दन नायर	2
श्री केशवराव धोंडगे	2
प्रो० पी ०जी० मावलंकर .	3
श्री चित्त बसु .	3
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया	3
श्री जार्ज मैथ्यू . .	3

लोक सभा

गुरुवार, 14 दिसम्बर, 1978/23 अग्रहायण, 1900 (शक)

लोक सभा ग्यारह बजे समवेत हुई

[अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए]

निधन सम्बन्धी उल्लेख

अध्यक्ष महोदय : मैं श्री सत्य नारायण सिंह, जिनकी मृत्यु आज सुबह 44 वर्ष की अल्पायु में डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल में हुई, के दुखद निधन की सूचना देता हूं।

श्री सत्यनारायण सिंह मध्य प्रदेश के सिधी चुनाव क्षेत्र से इस सभा के लिये चुने गये थे। उन्होंने अपने आप को समाज कल्याण कार्यों के लिये समर्पित किया था और बच्चों की शिक्षा में विशेष रुचि लेते थे।

वे आपातकालीन स्थिति में 'मीसा' के अन्तर्गत बन्दी भी रहे।

वे सभा की कार्यवाही में नियमित रूप से भाग लेते थे और कल भी सभा में उपस्थित थे।

वे आज सुबह ही बीमार हुए थे और अस्पताल ले जाने के तुरन्त बाद उनकी मृत्यु हो गयी।

हम अपने इस मित्र की हानि के लिये हार्दिक संवेदना प्रकट करते हैं और मुझे विश्वास है कि सभा शोक संतप्त परिवार को श्रद्धांजली भेजने में मेरा साथ देगी।

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : यह एक दुखद घटना है जब हमारे एक 44 वर्षीय सहयोगी की मृत्यु दिल के दौरे से डा० राम मनोहर अस्पताल में हो गयी।

वे एक समृद्ध वकील थे जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में केवल पांच वर्ष पहले ही प्रवेश किया था। वे मीसा के अन्तर्गत बंदी बनाए गए थे और उन्होंने 21 दिनों तक भूख हड़ताल भी की थी। वे एक सर्वज्ञ व्यक्ति थे और अपने चुनाव क्षेत्र के लिये और इस सभा में बहुत काम कर रहे थे। लेकिन जीवन अनिश्चित है और कोई नहीं जानता कि कब क्या होगा? इससे यही शिक्षा मिलती है।

हम इस दुखद निधन पर हार्दिक संवेदना प्रकट करते हैं और मैं अपनी ओर से तथा सभा की ओर से अनुरोध करता हूं कि शोक संतप्त परिवार को हमारी संवेदनायें भेजी जायें।

श्री सी० एम० स्टीफन (इडुक्की) मैं अपने सहयोगी के दुखद निधन के लिये संवेदना प्रकट करने खड़ा हुआ हूं। दूसरी ओर मेरे ऐसे अनेक मित्र हैं जिनसे मेरे नजदीकी सम्बन्ध रहे हैं। इस व्यक्ति के साथ मेरा कुछ परिचय था और मुझे उनकी योग्यता तथा इस सभा में उनके काम की याद आती है।

जब हम इस सभा में राष्ट्र की सेवा के लिये समर्पित प्रतिनिधियों को देखते हैं और उनमें से किसी का अभाव अनुभव करते हैं तो वह एक दर्दनाक घड़ी होती है।

मैं, मेरा दल और इस पक्ष के सभी सदस्य आप तथा सभा के नेता द्वारा प्रकट भावनाओं में आपके साथ हैं। इस प्रकार की घड़ियों से हमें जीवन के महत्व का पता चलता है और हम देखते हैं कि सभी प्रकार की कटुतायें ऐसे समय शांत हो जाती हैं और हमें याद आती है कि हम निरंतर बहती एक ही धारा के अंग हैं।

मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि हमारी हार्दिक संवेदनाओं को शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाया जाये।

श्री यशवंतराव चव्हाण (सतारा) : इस कर्तव्य को निभाने की यह एक दुखद घड़ी है। श्री सूर्य-नारायण सिंह मध्य प्रदेश से इस सदन के एक महत्वपूर्ण सदस्य थे। वे एक दिल के भयानक दौरे से मरे और जैसे कि प्रधान मंत्री ने कहा वे एक चमकते वकील थे। वे सार्वजनिक जीवन में बहुत सक्रिय थे और उनकी मृत्यु उनके चुनाव क्षेत्र राज्य, दल तथा सारे देश के लिये एक बड़ी हानि होगी। उनके परिवार के लिये यह एक दुखद घड़ी है और यह उचित ही होगा यदि हम उनके परिवार के शोक में सहयोगी बनें। प्रधान मंत्री द्वारा प्रकट श्रद्धांजली तथा इस प्रस्ताव का हम समर्थन करते हैं कि उनके शोक संतप्त परिवार को हार्दिक संवेदनायें भेजी जायें। मैं अपनी ओर से तथा अपने दल की ओर से इस प्रस्ताव का समर्थन करता हू।

श्री समर मुखर्जी (हावडा) : आप सदन के नेता, विपक्ष के नेता तथा श्री चव्हाण द्वारा व्यक्त भावनाओं को प्रकट करने में मैं भी आपके साथ हूं। संसद के एक नौजवान तथा साहसी सदस्य का निधन निस्सन्देह एक दुखद घटना है। मुझे बताया गया कि वह कल सभा में उपस्थित थे। समाचार मिलने पर मुझे सचमुच बहुत धक्का लगा है। इस दुखद घटना पर हमारा कोई भी नियंत्रण नहीं है। मैं अनुरोध करता हूं कि शोक संतप्त परिवार तक हमारी श्रद्धांजली पहुंचायी जाये।

श्री रागावलू मोहनरंगम (चेंगलपट्टू) : अध्यक्ष महोदय मुझे माननीय सदस्य 44 वर्षीय श्री सूर्य-नारायण सिंह के आकस्मिक निधन का समाचार पाने पर सचमुच दुख हुआ है। प्रधान मंत्री ने सभा को बताया है कि उनकी मृत्यु दिल के दौरे के कारण हुई है। यद्यपि वे दूसरे दल से सम्बन्ध रखते थे। फिर भी पिछले 1-1/2 वर्ष से मुझे उनके सम्पर्क में रहने का अवसर मिला है। जब मैं कुछ दिन उनके साथ रहा तो मैंने देखा कि वह बहुत नम्रता से बात करते थे और मुझे यह आशा नहीं थी कि उन जैसे व्यक्ति को आंसुका के अन्तर्गत बन्दी बनाया गया होगा। पिछले 2 वर्षों से वे जनता पार्टी के सदस्य थे और उससे पहले वे जनसंघ के सदस्य थे। वे जनसंघ तथा कांग्रेस (सं) में कई पदों पर रहे। वे एक चमकते वकील थे। राजनैतिक कार्यों के अतिरिक्त वे बच्चों की शिक्षा में भी रुचि रखते थे। मैं अपने दल तथा अपनी ओर से आप, सदन के नेता तथा विपक्ष के नेता द्वारा व्यक्त विचारों में साथ देता हूं।

श्री एम०एन० गोविंदन नायर (त्रिवेंद्रम) : अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी ओर से तथा अपने दल की ओर से श्री सूर्यनारायण सिंह के आकस्मिक निधन पर हार्दिक शोक प्रकट करने में आपके साथ हूं। वे 44 वर्ष के नौजवान थे। कल ही उन्होंने कार्यालय से पत्र एकत्र करते हुए कहा था कि वे इन सब बातों का पूरा अध्ययन करना चाहते हैं और आज सुबह हमें उनके निधन का दुखद समाचार मिला।

मैं एक बार फिर इस दुखद समाचार पर अपनी संवेदना प्रकट करता हू और सदन के नेता से अनुरोध करता हूं कि वे हमारी श्रद्धांजलियां शोक संतप्त परिवार तक पहुंचायें।

श्री केशवराव धोंडगे (नांदेड़) : अध्यक्ष महोदय, आज के इस गमगीन मौके पर माननीय प्राइम मिनिस्टर साहब और अपोजीशन के लीडर साहब ने जिन ख्यालात का इजहार किया है उन के साथ मैं सहमति व्यक्त करता हूं और हमारे जो साथी चल बसे हैं उनके लिए श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

प्रो० पी० जी० मावलंकर (गांधी नगर) : हमें अचानक एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना का सामना करना पड़ा है और मुझे मालूम नहीं कि मैं अपनी भावनायें कैसे व्यक्त करूं। आप, प्रधान मंत्री तथा अन्य माननीय सहयोगियों ने हमारी संवेदनाओं को व्यक्त कर दिया है। इस सभा के अन्दर तथा बाहर हम सिद्धांतों और समस्याओं की लड़ाई लड़ते हैं और जब हम मौत से लड़ाई लड़ते हैं तो हम सब असहाय हो जाते हैं। अब हम चाहते हैं कि आप हमारी संवेदनाओं को शोक संतप्त परिवार तक पहुंचायें। मैं जानता हूं कि वे कितने नौजवान तथा सक्रिय थे। स्वर्गीय श्री सूर्यनारायण सिंह इस सभा में सक्रिय होने के साथ अपने चुनावक्षेत्र तथा देश भर में आदर्शों और सिद्धांतों के लिये सक्रिय थे। अतः हम अपने सहयोगी के निधन पर शोक प्रकट करते हैं और आशा रखता हूं कि हमारी संवेदनाओं को शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाया जायेगा।

श्री चित बसु (बारासात) : आप, प्रधान मंत्री, विपक्ष के नेता तथा अन्य माननीय सदस्यों द्वारा जो संवेदनायें प्रकट की हैं मैं भी उनका समर्थन करता हूं और अनुरोध करता हूं कि हमारी श्रद्धांजलियों को शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाया जाये।

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया (फरीदकोट) : अकाली दल तथा अपनी ओर से मैं दिवंगत सदस्य के शोक संतप्त परिवार तक अपनी संवेदनायें व्यक्त करता हूं। वह इस सभा के ख्यातिप्राप्त सदस्य थे। उन्होंने लोगों तथा देश की सेवा अपने ढंग से की। मैं अपनी सहानुभूति प्रकट करता हूं और आप से अनुरोध करता हूं कि आप हमारी श्रद्धांजलियां शोक संतप्त परिवार तक पहुंचायें।

श्री जार्ज मैथ्यु (मुकत्तुपुजा) : मैं अपने दल तथा अपनी ओर से दिवंगत सदस्य के शोक संतप्त परिवार तक श्रद्धांजलियां पहुंचाने के लिये आपके साथ हूं। यह सचमुच दुख की बात है कि ऐसा नौजवान हमें छोड़ कर चला जाये। आशा है संपूर्ण सभा संतप्त परिवार को संवेदना व्यक्त करेगी।

अध्यक्ष महोदय : अब सभा दिवंगत आत्मा के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिये कुछ देर के लिये मौन खड़ी रहे।

तत्पश्चात् सदस्यगण कुछ देर मौन खड़े रहे।

अध्यक्ष महोदय : दिवंगत आत्मा के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिये सभा ग्यारह बजे म०पू० तक के लिये स्थगित होती है।

तत्पश्चात् लोक सभा शुक्रवार, 15 दिसम्बर, 1978/24 अग्रहायण 1900 (शक) तक के लिए स्थगित हुई।

MGIPRRND—36 LSS/78—CRI—16-2-79—210